

इस अंक में...

- 5 सम्पादकीय
- 7 समसामयिकी घटना संग्रह
- 9 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 आर्थिक घटना संग्रह

- आरबीआई ने लगातार पाँचवीं बार रेपो रेट को बरकरार रखा
- बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी 2023 जारी
- देश के 9 राज्यों में महँगाई दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा
- सूरत एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन

22 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- गुजरात का गरबा नृत्य यूनेस्को की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' सूची में शामिल
- दुनिया का 8वाँ अजूबा बना अंकोरवाट मन्दिर
- 'काशी तमिल संगमम 2.0' का किया उद्घाटन

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- यूएई में COP28 सम्मेलन का समापन
- डब्ल्यूएचओ ने कोरोना के नए स्ट्रेन जेएन.1 को वेरिएंट ऑफ़ इंटरेस्ट घोषित किया
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

30 खेल खिलाड़ी

- खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हरियाणा 105 पदक के साथ शीर्ष पर
- टी-20 में सबसे तेज 4000 रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बने ऋतुराज
- IPL 2024 : मुंबई इंडियंस ने हार्दिक को बनाया कप्तान

- 33 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह
- 35 विज्ञान समाचार
- 36 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

- 39 आध्यात्मिक लेख—जीवन की अच्छाई द्वारा स्वयं का विधिवत मार्गदर्शन
- 40 सामयिक लेख—प्रासंगिकता खोता संयुक्त राष्ट्र संघ
- 41 संचार लेख—हमारे रिश्तों के दुश्मन बनते मोबाइल फोन
- 42 जनसंचार लेख—पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता
- 43 स्वास्थ्य लेख—प्लास्टिकोसिस से पक्षियों के जीवन पर संकट

विविध/सामान्य

- 64 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 66 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-163 का परिणाम
- 67 रोजगार अवसर
- 69 अर्द्ध-वार्षिकांक : समसामयिक घटनाएं
- 81 वर्षांत समीक्षा

हल प्रश्न-पत्र

- 44 हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2023 (3.12.2023) का हल प्रश्न-पत्र (लेवल-1 : कक्षा I से V तक)

मॉडल हल प्रश्न

- 55 आगामी उत्तर प्रदेश पुलिस काँस्टेबल भर्ती परीक्षा (2024) हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक : राहुल जैन

रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

— सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005

फोन-2531101, 2530966

— दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110 002

फोन-011-23251844, 43259035

— पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, पटना-800 004

मो-09334137572

— हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), हैदराबाद-500 036 (तेलंगाना)

मो-09391487283

— हल्दानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, हल्दानी, जिला-नैनीताल-263 139 (उत्तराखण्ड)

मो-07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.



विवेकी व्यक्ति वर्तमान में जीता है

“यदि आप प्रसन्न रहना चाहते हैं, तो विगत के बारे में न सोचें, भविष्य के बारे में चिंतित न हों, पूरी तरह से वर्तमान में जीने पर केन्द्रित हों।”

— रॉय टी. बेनेट

जीवन जीने के तरीके में ही सब कुछ समाया है। अगर आप विवेकी हैं अर्थात् अच्छे और बुरे के बीच अन्तर कर सकने की सामर्थ्य रखते हैं, तो निश्चित है कि आप वर्तमान को जियेंगे, किन्तु यदि आप अविवेकी हैं, नासमझ हैं तो सदा भूत और भविष्य को सोचते हुए वर्तमान समय को बर्बाद करते रहेंगे।

‘समय’ क्षण भर है, वर्तमान ही है, भूत व भविष्य हमारी मन की संकल्पना मात्र है, जिसे हम भोग चुके हैं, वह भूत है। भूत वह है, जो जाना जा चुका है। भोगा जा चुका है। जिसे दुबारा भोगना अशक्य है। उसे मात्र यादों में ही मिला जा सकता है। इसी प्रकार भविष्य क्या है ? वह भी भोगे जा चुके क्षण में उभरे चित्ती प्रभाव हैं, जिन्हें हमारे मन ने संजो कर रख लिया। मन में मौजूद हर राग-द्वेषमय विचार भविष्य को निर्मित करते चले जाते हैं। जितना-जितना हमारा मन विकार युक्त रहता है, अशांत व बेचैन रहता है, उतना-उतना भविष्य का निर्माण भी करता रहता है। बिखरा-बिखरा चित्त यानि भूत व भावी की यात्रा एवं शांत चित्त यानि वर्तमान का जीवन। शांत चित्त ही वर्तमान को जी सकता है, अशांत कदापि नहीं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि—विवेकी वह जो शांत व समझदार हैं और वर्तमान में जीता है तथा अविवेकी वह, जो अशांत, बेचैन, नादान व बिखरे चित्त वाला है।

आप और हम, जीवन के चाहे किसी भी क्षेत्र से क्यों न जुड़े हों, अपनी प्राइवेट लाइफ, प्रोफेशनल लाइफ व पब्लिक लाइफ तीनों में संतुलन बनाकर जीना चाहते हैं, तीनों में समृद्धि व शांति चाहते हैं तो क्यों न हम वर्तमान समय को ही प्रधानता दें, मूल्य देवें और भूत-भावी का गैर जरूरी चिंतन छोड़ देवें। इसके लिए संभव है हमें कुछ अभ्यास करना पड़े जैसे कि मन को फेरना।

जब कोई व्यक्ति अतीत की स्मृतियों—अच्छी या बुरी पर आत्मकेन्द्रित होकर जीता है तो वह अपने वर्तमान में प्रयुक्त किए जा सकने वाले समय और ऊर्जा को ही बर्बाद करता है। साधारण शैक्षणिक उपलब्धियों वाला युवा पूर्व की परीक्षाओं में आए कम अंकों या रैंक पर ही विचार करके अपने वर्तमान की सम्भाव्य उपलब्धियों की उपेक्षा करके अवसरों को खोता चला जाता है।

1. मन को फेरना—मन जब-जब पुरानी बातों को याद कर-करके उदास होने लगे, दुःखी व गम्भीर होने लगे तब-तब खुद को कहना कि हे मेरे प्यारे जीवन साथी ! मेरे प्यारे मन ! क्या तुम उदास जीना पसंद करोगे ? क्या जो बीत चुका है, उसे भुलाना बेहतर नहीं होगा ? अतीत को क्षमा कर दो ना। गलती चाहे मुझसे ही क्यों न हुई हो, मैं अब उस अतीत को नहीं दोहराऊंगा। अपने मन को अतीत की यादों से मुक्त करता हूँ। खुद का पवित्र साथी मन सदा प्रफुल्लित रहे, इस बात का ध्यान रखता हूँ। इस प्रकार अपने मन को अतीत से फिरा दो। गाड़ी के गियर चेंज करने की तरह मन के भी गियर चेंज करने की कला सीखनी जरूरी है।